BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (16.05.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE: 16.05.2025, PAGE-06

विश्वविद्यालय में पीजीआरसी की बैठक आज

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में पैट 2021 के छात्रों के लिए पोस्ट गेज्युएट रिसर्च काउंसिल की बैठक शुक्रवार को वीसी की अध्यक्षता में होगी। पीजीआरसी की यह पहली बैठक होगी। इस बैठक में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के छात्रों के शोध टॉपिक पर चर्चा होगी। 19 मई को होनेवाली बैठक में मानवीकी, कॉमर्स और प्रबंधन के शोध टॉपिक पर चर्चा की जायेगी।

समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष को मिला पुरस्कार

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. आर्य प्रिय को एशियाई सराहनीय उपलब्धि 2025 पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें शिक्षाविद्, समाजशास्त्री और सार्वजनिक टिप्पणीकार के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए एशिया के हूज हू की सूची में पहचान के लिए दिया गया है। पुरस्कार रिफैसिमेंटो इंटरनेशनल द्वारा दिया गया है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE: 16.05.2025, PAGE-06

संगोष्ठी: राष्ट्रीय तासीर के हिसाब से हो इतिहास लेखन : कुलपति

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बीआरएबीयू के इतिहास विभाग द्वारा विश्वविद्यालय और काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान, पटना के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को सीनेट हॉल में भारतीय स्वाधीनता के लिए संघर्षरत संग्रामी और नेताओं के योगदान का इतिहास : एक पुनर्विचार विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने की। उन्होंने राष्ट्र के तासीर के अनुसार लेखन पर जोर दिया। उन्होंने इतिहास के लेखन में कृषि, भौगोलिक विविधता और विज्ञान को शामिल करने की जरुरत पर बल दिया।

मुख्य वक्ता रबीन्द्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता के प्रो. हितेंद्र पटेल ने साहित्यिक स्रोतों के जरिये गांवों, कस्बों और मुहल्लों के स्वतंत्रता आंदोलन में

सीनेट हॉल में गुरुवार को संगोष्ठी को संबोधित करते प्रो. हितेन्द्र पटेल।

भागीदारी को उजागर करने की जरुरत पर बल दिया। विशिष्ट वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहासकार प्रो. जे.एन. सिन्हा ने स्वतंत्रता आंदोलन के क्षेत्रीय नायकों को इतिहास की मुख्यधारा में लाने के महत्व को रेखांकित किया और हुस्सेपुर राज के फतेह बहादुर शाही की ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ संघर्ष को साझा किया।

इस अवसर पर बीआरएबीयू और काशी प्रसाद जायसवाल शोधसंस्थान के बीच अकादमिक उद्देश्य से एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर भी हस्ताक्षर किया गया। संगोष्ठी के दौरान विभागाध्यक्ष प्रो. रेणु कुमारी ने स्वागत भाषण किया। डॉ. गौतम चंद्रा ने विषय प्रवेश कराया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शिवेश कुमार और मंच संचालन डॉ. अंशु त्यागी ने किया। प्रॉक्टर प्रो. बी.एस. राय, प्रो. प्रभाकर प्रसाद सिंह आदि थे।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE: 16.05.2025, PAGE-04

भारतीय भाषाओं में तैयार होंगी तीन लाख पुस्तकें

शिक्षा मंत्रालय की कार्यशाला में शामिल डा. राजेश्वर कुमार • सौ. स्वयं

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अगले तीन वर्षों में भारतीय भाषाओं में तीन लाख से अधिक पुस्तकें तैयार होंगी। हर राज्य में वहां की भाषाओं के अनुरूप क्रियान्वयन समिति बनाई जाएगी। पुस्तक लेखक के साथ ही अनुवादक व भाषा संपादक की भी नियुक्ति होगी। यह निर्णय शिक्षा मंत्रालय की ओर से कार्यशाला में लिया गया है। इसमें एलएस कालेज मुजफ्फरपुर के बीएमकी कोर्स समन्वयक व बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के उप निदेशक डा.राजेश्वर कुमार को निमंत्रित किया गया था। गणितज्ञ और पटना विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.के सी सिन्हा को भी आमंत्रित किया गया था।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 16.05.2025, PAGE-04

इतिहास लेखन में लोकगाथाओं व कहानियों को शामिल करने की जरूरत

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: रवींद्र भारती विश्वविद्यालय कोलकाता के प्रो.हितेंद्र पटेल ने कहा इतिहास में तथ्यों को रखने के लिए अभी बहुत दिशाओं में जाने की जरूरत है। इसमें जन स्मृति से लेकर लोकगाथाएं व प्रचलित कहानियों को भी संदर्भित करना होगा। धार्मिक व सांस्कृतिक संस्थाओं के भीतर कई ऐसे तथ्य छिपे हैं, जिनकी जानकारी हासिल करने की जरूरत है। उन्होंने साहित्यिक स्त्रोतों से गावों, कस्बों व मुहल्लों से स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले गुमनाम सेनानियों के योगदान को सामने लाने की जरूरत पर बल दिया। वह गुरुवार को सीनेट हाल में विश्वविद्यालय इतिहास विभाग और काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान पटना के संयुक्त तत्वावधान में संगोष्ठी में बोल रहे थे। विषय था भारतीय स्वाधीनता के लिए संघर्षरत संग्रामी और नेताओं के योगदान का इतिहास:एक पुनर्विचार।

स्वतंत्रता आंदोलन के क्षेत्रीय नायकों व उपेक्षित आंदोलनों को इतिहास की मुख्यधारा में लाने के बताए महत्व : विशिष्ट वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहासकार प्रो.जेएन सिन्हा ने स्वतंत्रता आंदोलन के क्षेत्रीय नायकों व उपेक्षित आंदोलनों को इतिहास की मुख्यधारा में लाने के महत्व बताए। बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.डीसी राय ने अध्यक्षता करते हुए स्थानीय इतिहास लेखन के महत्व बताए। इतिहास के लेखन में कृषि, भौगोलिक विविधता और विज्ञान को शामिल करने की जरूरत पर बल दिया। बीआरएबीयू व काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान पटना के बीच अकादमिक उद्देश्य से एक मेमोरेंडम आफ़ अंडरस्टैंडिंग पर भी हस्ताक्षर किया गया। संगोष्ठी में विभागाध्यक्ष प्रो.रेणु कुमारी ने स्वागत भाषण, डा.गौतम चंद्रा ने विषय प्रवेश, धन्यवाद ज्ञापन डा.शिवेश कुमार व डा.अंशु त्यागी ने संचालन किया। मौके पर प्राक्टर प्रो.बीएस राय, प्रो.प्रभाकर प्रसाद सिंह, प्रो.अजीत कुमार, प्रो.पंकज कुमार राय, डा.अर्चना पांडेय, डा.दिलीप कुमार, डा.अमर बहादुर शुक्ला, डा.अमानुल्लाह, शोधार्थी हिमांशु, अन्नू, मणिरंजन, निशांत, विशाल, बाबुल, खुशबू, पूजा समेत देशभर से सैकड़ों शोधार्थी व विद्यार्थी शामिल हुए।

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य वक्ता प्रो.हितेंद्र पटेल • जागरण

सीनेट हाल में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित शिक्षक • जागरण

विश्वविद्यालय इतिहास विभाग में भारतीय स्वाधीनता के लिए संघर्षरत संग्रामी व नेताओं के योगदान का इतिहास: एक पुनर्विचार पर सेमिनार

सेंटर फार लोकल आर्काइव्स एंड रटडी सेंटर शुरू कराने की उठाई गई मांग

निजी दस्तावेज को सुरक्षित, संरक्षित व संवर्धित करने के लिए बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में सेंटर फार लोकल आर्काइव्स एंड स्टडीज सेंटर शुरू करने की मांग की गई है। डा.गौतम चंद्रा ने कुलपति के नेतृत्व व मार्गदर्शन में इसकी शुरुआत करने की मांग की। कहा कि यह सेंटर ऐसे केंद्र के रूप में उभरे जहां शहर के महत्वपूर्ण व्यक्तियों, साहित्यकारों, स्वतंत्रता सेनानियों जैसे बेनीपुरी, शास्त्री, रामदयालु सिंह समेत स्थानीय संस्थाओं से जुड़े निजी पत्रों, दस्तावेजों को संरक्षित कर रखा जाएगा ताकि मुजफ्फरपुर के स्मार्ट सिटी बनने के क्रम में इतिहास की विरासत संभालने में देर न हो जाए।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN,
MUZAFFARPUR
DATE:16.05.2025
PAGE-04

वोकेशनल कोर्स में नामांकन के लिए जून में होगी प्रवेश परीक्षा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में वोकेशनल कोर्स में नामांकन के लिए अगले सप्ताह से पोर्टल खोला जाएगा। छात्र-छात्राएं प्रवेश परीक्षा में नामांकन के लिए आनलाइन आवेदन कर पाएंगे। पेमेंट गेटवे में परेशानी से इसमें समय लग रहा है। बताते हैं कि टेस्टिंग के बाद पोर्टल खोल दिया जाएगा। आवेदन के लिए कम से कम 15 दिनों का समय दिया जाएगा।

स्नातक में नामांकन के लिए 30 मई तक करें आनलाइन आवेदन : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक कोर्स में नामांकन के लिए अब विद्यार्थी 30 मई तक आवेदन कर सकेंगे। इसको लेकर निर्देश जारी किया गया है। सीबीएसई की ओर से बारहवीं का परिणाम जारी होने के बाद आवेदन तिथि बढ़ाई गई है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR
DATE: 16.05.205, PAGE-04

उपलब्धियों को सराहा डॉ आर्य हुए सम्मानित

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू के समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ आर्य प्रिय को 'एशियाई सराहनीय उपलब्धि' पुरस्कार से नवाजा गया है. यह पुरस्कार उन्हें 'शिक्षाविद्, समाजशास्त्री व सार्वजनिक टिप्पणीकार' के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए एशिया के रहूज हू रके सूची में पहचान दी गयी है. यह पुरस्कार विश्व प्रसिद्ध दिल्ली स्थित संकलक और प्रकाशक रिफैसिमेंटो इंटरनेशनल द्वारा दिया गया है. आर्य प्रिय ने दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज से रसायन विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी की. उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली से समाजशास्त्र में एमए, एमफिल व पीएचडी की. उन्होंने भारतीय विधि संस्थान, नयी दिल्ली से मानवाधिकार कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा व भारतीय प्रबंधन संस्थान, बंगलुरू से व्यवसाय प्रबंधन में एक वर्षीय ऑनलाइन माइक्रोमास्टर्स कार्यक्रम भी किया है.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARAPUR, DATE:16.05.2025, PAGE-04

विवि.पोर्टल खुला रखने की अधिसूचना,डीएसडब्ल्यू ने तिथि बढ़ायी

स्नातक में नामांकन के लिए अब 30 मई तक ऑनलाइन आवेदन

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू में स्नातक सत्र 2025-29 में नामांकन के लिए अब 30 मई तक ऑनलाइन आवेदन हो सकेगा. गुरुवार को डीएसडब्ल्यू प्रो. आलोक प्रताप सिंह की ओर से तिथि विस्तारित करते हुए 16 से 30 मई तक आवेदन के लिए पोर्टल खुला रखने की अधिसूचना जारी कर दी गयी है. विश्वविद्यालय की ओर से कहा गया है कि जून में मेरिट लिस्ट जारी करते हुए एडमिशन की प्रक्रिया पूरी की जायेगी. विश्वविद्यालय के अंगीभूत व संबद्ध कॉलेजों में साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स के दो लाख से अधिक सीट निर्धारित है. इन कॉलेजों में सत्र 2025-29 में भी मेरिट के आधार पर ही एडमिशन लिया जायेगा. विश्वविद्यालय स्तर से मेरिट तैयार कर कॉलेज आवंटित किया जायेगा. बिहार बोर्ड के इंटर का रिजल्ट मार्च में जारी कर दिया गया. महीने भर में यानी गुरुवार तक 1.08 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है. बता दें कि पहले एक महीने के लिए पोर्टल खोला गया था. इस बीच सीबीएसई ने इंटरमीडिएट परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया गया.

क्षेत्रीय नायकों को इतिहास की मुख्यधारा में लाने की जरूरत

विश्वविद्यालय इतिहास विभाग की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते प्रोफेसर हितेंद्र पटेल व मौजूद प्रतिभागी.

मुजफ्फरपुर .सीनेट हॉल में विश्वविद्यालय इतिहास विभाग, बाबा साहेब भीमराव बिहार विश्वविद्यालय व काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान, पटना के संयुक्त तत्वाधान में ₹भारतीय स्वाधीनता के लिए संघर्षरत संग्रामी व नेताओं के योगदान का इतिहास, एक पुनर्विचार₹ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई. कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने स्थानीय इतिहास लेखन के महत्ता पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्र के तासीर के अनुसार से लेखन पर जोर दिया. उन्होंने इतिहास के लेखन में कृषि, भौगोलिक विविधता व विज्ञान को शामिल करने की जरूरत पर बल दिया.मुख्य वक्ता प्रो हितेंद्र पटेल, रवींद्र भारती विवि कोलकाता ने कहा कि साहित्यिक स्त्रोतों के जरिये गांवों, कस्बों और मुहल्लों के स्वतंत्रता आंदोलन में भागीदारी को उजागर करने की जरूरत है. विशिष्ट वक्ता के रूप में दिल्ली विवि के इतिहासकार प्रो जेएन सिन्हा ने स्वतंत्रता आंदोलन के क्षेत्रीय नायकों व उपेक्षित आंदोलनों को इतिहास की मुख्यधारा में लाने के महत्व को रेखांकित किया और हुस्सेपुर राज के फतेह बहादुर शाही के ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ संघर्ष को साझा किया. इस अवसर पर बाबा साहेब भीमराव बिहार विश्वविद्यालय व काशी प्रसाद जायसवाल शोध संस्थान, पटना के बीच अकादमिक उद्देश्य से एक मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग पर भी हस्ताक्षर किया गया. संगोष्ठी के दौरान विभागाध्यक्ष प्रो रेणु कुमारी ने स्वागत भाषण, डॉ गौतम चंद्रा ने विषय प्रवेश, धन्यवाद ज्ञापन डॉ शिवेश व डॉ अंशु त्यागी ने मंच संचालन किया. प्रॉक्टर प्रो बीएस राय, प्रो प्रभाकर सिंह, प्रो अजीत, प्रो पंकज राय, डॉ अर्चना पांडेय, डॉ दिलीप, डॉ अमर बहादुर शुक्ला, डॉ अमानुल्लाह, शोधार्थी हिमांशु आदि शामिल हुए.

□ खबर वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यू आर स्कैन करें.